अनुक्रम

1. राष्ट्रीय नवजागरण : अवधारणात्मक परिचय एवं विकास **17-59**

नवजागरण (रेनेसाँ) : व्युत्पत्ति एवं प्रयोग परंपरा; यूरोपीय एवं भारतीय नवजागरण : पारंपरिक—आधुनिक अवधारणाएँ; आधुनिक रेनेसाँ-चिंतन : मूलभूत संकल्पना तत्त्व; नवजागरण काल : सामान्य प्रवृत्तियाँ;यूरोपीय एवं भारतीय नवजागरण : एक समीक्षा; भारतीय नवजागरण : ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य; भारतीय नवजागरण : विभिन्न स्रोत, प्रेरक शक्तियाँ एवं हेतु

2. पत्रकारिता : सैद्धान्तिक स्वरूप एवं विकास **60-90**

पत्रकारिता क्या है ? पत्रकारिता : परंपरागत एवं आधुनिक परिदृश्य; पत्रकारिता, साहित्य और इतिहास; पत्रकारिता : ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य; भारत में आधुनिक पत्रकारिता : उद्‌भव और विकास; प्रारंभिक हिन्दी पत्रकारिता (1820-1850 ई०)

3. हिन्दी पत्रकारिता : विविध आयाम **91-139**

जागरणकालीन पत्रकारिता : परिचय एवं स्वरूप (1851-1900 ई०); द्विभाषी पत्रकारिता; राष्ट्रीय स्तर की हिन्दी पत्रकारिता : उदय एवं विकास; हिन्दी पत्रकारिता : विशिष्ट रेखाएँ; संपादकीय-सामग्री; हिन्दी पत्रकारिता : विविध समाचार;

4. हिन्दी पत्रकारिता : सांस्कृतिक-नवोत्थान **140-169**

धार्मिक एवं सांस्कृतिक नवजागरण; 19वीं शती की सांस्कृतिक-चेतना विभिन्न धर्म-जाति-सुधार सम्बन्धी पत्रकारिता; धार्मिक-सामाजिक आंदोलन और पत्रकारिता; धार्मिक पत्रकारिता : विविध आयाम **समाज-सुधार संबंधी नवचेतना** तत्कालीन सामाजिक जीवन : कुरीतियों के प्रति विद्रोह; वैवाहिक कुसंस्कारों के विरुद्ध अभियान (बाल विवाह,

विधवा, वृद्ध विवाह, दहेज) नारी-समस्याओं का प्रगतिशील चित्रण (पर्दा-प्रथा, स्त्री-शिक्षा, कन्याविक्रय, वेश्यावृत्ति, कन्या-हत्या आदि के प्रति प्रगतिशील दृष्टि); जाति वर्ण व्यवस्था; अस्पृश्यता; बेगार या निःशुल्क श्रम; रिश्वत, मदिरा-मांस वृत्ति, समुद्र-यात्रा; पत्रकारिता के सांस्कृतिक आदर्श

5. हिन्दी पत्रकारिता : राजनीतिक उद्‌बोधन **170-198**

राजनीतिक जन-जागरण; बदलते राष्ट्रीय संदर्भ और तत्कालीन राष्ट्रीय अवधारणा; सुनियोजित औपनिवेशिक व्यूह-रचना का भेदन; रंगभेद की नीति के विरुद्ध उद्‌घोष; सिविल सर्विस आदि में भारतीयकरण की माँग; राष्ट्रीय एकता और सद्‌भाव के प्रति आग्रह; स्वदेशी आंदोलन; स्वायत्त शासन के प्रति निष्ठा; उर्दू-हिन्दी भाषा-राजनीति की भर्त्सना; भारतीयता के प्रति आग्रह; आर्थिक नवचेतना; शासकीय शोषण-तंत्र का निर्भीक उद्‌घाटन

6. हिन्दी पत्रकारिता : रचना एवं ज्ञानात्मक साहित्य **199-245**

रचनात्मक साहित्य; आधुनिक गद्य और गद्य-वृत्तों का उदय; नाटक; कथा-साहित्य— उपन्यास; कहानी; निबंध; समालोचना; रिपोर्ताज; यात्रा-वृत्त; रेखाचित्र तथा फीचर्स; जीवनी तथा आत्मकथा; कविता; ज्ञानात्मक साहित्य; धर्म-दर्शन ज्ञान लेख; विज्ञान-लेख; कानून, राजनीति एवं अर्थशास्त्र; पुरातत्व, इतिहास, भूगोल आदि; भाषा-चेतना एवं पत्र-संपादन; शिक्षा-समाज-मनोविज्ञान आदि; व्यावहारिक-ज्ञान

7. राष्ट्रीय नवजागरण और हिन्दी पत्रकारिता : चिंतन, चेतना, चरित्र **246-267**

औपनिवेशिक वैचारिक व्यूह-रचना के भेदन के लिए रण-कौशल और चिंतन; राज-भक्ति और राष्ट्र-भक्ति का द्वन्द्वात्मक चरित्र और अन्तर्विरोध; वीरोचित संघर्ष-चेतना एवं स्वाभिमान युक्त चरित्र; सत्ता को चुनौती; देने का दुस्साहस और क्रांतिकारी चिंतन; मानवतावादी चिंतन को महत्त्व; चिंतन में आधुनिकता बोध और अतीत के प्रति सम्मोहन; स्वदेशी भाषा और राष्ट्रीय चिंतन को सर्वोपरि महत्त्व; प्रगतिशील चिंतन और वैज्ञानिक दृष्टि को प्रधानता; बौद्धिक यथार्थवादी धरातल पर समन्वित-सामूहिक साहित्य-साधना; कलात्मक साहस और भाषा-सामर्थ्य; श्रेष्ठ दार्शनिक चिंतन एवं ज्ञान का उन्मुक्त प्रकाशन; प्रजातांत्रिक-नागरिक मूल्यों एवं

चिंतन का उदय; भविष्योन्मुखी आस्थावादी चिंतन; प्रेस की स्वाधीनता और सोद्देश्यता के लिए संघर्ष;

उपसंहार 268-273

परिशिष्ट : 1. 274-286

राष्ट्रीय अभिलेखागार (नई दिल्ली से प्राप्त रिपोर्ट आन वर्नाक्यूलर न्यूज पेपर्स के गुप्त दस्तावेजों की कतिपय प्रतिलिपियाँ
2. वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट सम्बन्धी प्रोसीडिंग्स के कुछ पृष्ठों का प्रतिलिपियाँ

परिशिष्ट : 2. 287-302

1. मूल सामग्री; 2. सहायक-आधार सामग्री